

राज्यपाल श्री बागडे राष्ट्रपति के साथ मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में सम्मिलित हुए
राज्यपाल ने कहा, विद्यार्थी अर्जित ज्ञान और शिक्षा का उपयोग राष्ट्र निर्माण में करे

जयपुर/उदयपुर, 3 अक्टूबर। राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्री हरिभाऊ बागडे ने गुरुवार को राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु, पंजाब के राज्यपाल श्री गुलाब चंद कटारिया की उपस्थिति में उदयपुर में आयोजित मोहन लाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के 32 वें दीक्षांत समारोह में भाग लेकर विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी।

श्री बागडे ने समारोह में पदक एवं उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य के लिए बधाई देते हुए कहा कि दीक्षांत विद्यार्थी जीवन का अनमोल पर्व है। विद्यार्थी विश्वविद्यालय में सीखे हुए ज्ञान का उपयोग राष्ट्र के विकास और समृद्धि में करें। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी ऐसा काम करें जिससे उनकी पहचान बन जाए, हर कदम ऐसा रखें कि निशान बन जाए और जिंदगी जीने हो तो ऐसी जिए की मिसाल बन जाए।

श्री बागडे ने नई शिक्षा नीति की चर्चा करते हुए कहा कि उसे अपने जीवन में लागू करे। विद्यार्थी का इससे चहुंमुखी विकास संभव है।

उन्होंने कहा कि राजस्थान के सभी विश्वविद्यालयों में नेक रैंकिंग हो इसके लिए प्रयास किए जा रहे हैं।

उन्होंने प्राचीन भारतीय शिक्षा पद्धति की चर्चा करते हुए कहा कि दशम्व का आविष्कार भारत में भास्कराचार्य द्वारा हुआ। भारत ज्ञान का आरंभ से ही केंद्र रहा है।

इससे पहले श्री बागडे ने राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु के साथ विद्यार्थियों को प्रदत्त उपाधियां और पदक प्रदान करने में भी सहयोग किया।



